अध्याय - चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.1 प्रस्तावना –

अध्ययन हेतु स्वयं निर्मित उपकरण के माध्यम से चुने गये न्यादर्श द्वारा प्रदत्तों का संकलन किया गया। प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या इस अध्याय में कियाा गया है। स्वनिर्मित परिकल्पनाओं की स्वीकृति तथा अस्वीकृति हेतु प्रदत्तों का समूह व उपसमूह में विभाजित कर विश्लेषण तथा अंतिम परिणाम ज्ञात किया जाता है। जो नवीन सिद्धांत की खोज अथवा सामान्यीकरण रूप में होता है प्रदत्तों के विश्लेषण के अन्तर्गत उनकी समस्याओं का अनेक परीक्षणों द्वारा शोध के उद्देश्यों का निर्णय प्राप्त किया जाता है।

➢ **जे. एच. पाईनकर के शब्दों में –**

"एक मकान का निर्माण पत्थरों से होता है, किन्तु पत्थरों के ढेर से नहीं वरन् जटिल पत्थरों को सुव्यवस्थित रूप से रखने से होता है, वैज्ञानिक तथ्य का निर्माण भी तथ्यों के संकलन उपरांत उचित विश्लेषण तथा व्याख्या द्वारा होता है।"

➢ **पी. व्ही. युग के शब्दों में –**

"संकलित तथ्यों के उचित संस्थिति संबंधों के रूप व्यवस्थित कर विचारपूर्ण आधारशिला की स्थापना करना ही विश्लेषण है अर्थात विश्लेषण शोध का सृजनात्मक पक्ष है।"

प्रस्तुत अध्याय में उचित सांख्यिकी विधियों का उपयोग करके प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण करने का प्रयास किया गया है। इस शोध अध्ययन हेतु 6 परिकल्पनायें रखी गई है। जिसकी जांच करने उपरांत त्वरित प्रदत्तों के निरंतर प्रस्तुतिकरण के लिए शोध समस्या के अध्ययन से निकले परिणाम की व्याख्या की गई है।

परिकल्पना – 1

संविदा शिक्षकों में लिंग के आधार पर व्यावसायिक संतुष्टि में सार्थक अन्तर नहीं है। इस परिकल्पना का परीक्षण करने के लिये व्यवसाय संबंधी कारकों को सात भागों में बांटा गया है प्राप्त परिणामों को सारणी 4.1 में प्रदर्शित किया गया है।

4.2 लिंग के आधार पर व्यवसाय संबंधी कारकों में संतुष्टि का विश्लेषण

सारणी 4.1 लिंग के आधार पर व्यवसाय संबंधी कारकों में संतुष्टि सारणी

N = 150

व्यवसाय संबंधी कारक	लिंग	संतुष्ट			असंतुष्ट			χ^2	df	Sig (0.01)
		f	% within sex	% within factor	f	% within sex	% within factor			
वर्तमान पद	पुरूष	8	7.84	40	94	92.15	72.3	–	–	–
	स्त्री	12	25	60	36	75	27.6	8.4	1	6.64*
	योग	20	13.33%	–	130	86.67%	–	–	–	–
संबंधित कार्य	पुरूष	80	78.4	66.16	22	21.56	73.3	–	–	–
	स्त्री	40	83.3	33.3	08	16.7	26.6	0.48	1	6.64
	योग	120	80%	–	30	20%	–	–	–	–
निर्धारित वेतन	पुरूष	–	–	–	102	100	68	–	–	–
	स्त्री	–	–	–	48	100	32	–	–	–
	योग	–	–	–	150	100%	–	–	–	–
विद्यालय प्रशासन	पुरूष	30	29.4	68.2	72	70.5	67.9		1	
	स्त्री	14	29.1	31.8	34	70.8	32.1	0.003		6.64
	योग	44	29.33%	–	106	70.67%	–	–	–	–

व्यवसाय संबंधी कारक	लिंग	संतुष्ट			असंतुष्ट			χ^2	df	Sig (0.01)
		f	% within sex	% within factor	f	% within sex	% within factor			
विभागीय नियम	पुरूष	40	39.2	76.9	62	60.8	63.3	–	–	–
	स्त्री	12	25	23.1	36	75	36.7	2.91	1	6.64
	योग	52	34.67%	–	98	65.33%	–	–	–	–
नियमित शिक्षकों का व्यवहार	पुरूष	30	29.4	68.2	72	70.5	67.9	–	–	–
	स्त्री	14	29.1	31.8	34	70.8	32.1	0.003	1	6.64
	योग	44	29.33%	–	106	70.67%	–	–	–	–
सामाजिक प्रतिष्ठा	पुरूष	38	37.2	63.3	64	62.7	71.1	–	–	–
	स्त्री	22	45.8	36.7	26	54.2	28.9	1.00	1	6.64
	योग	60	40%	–	90	60%	–	–	–	–

* χ^2 table Value in 0.01 level

उपरोक्त सारणी 4.1 में स्पष्ट है कि 86.67 प्रतिशत संविदा शिक्षक अपने पद से संतुष्ट नहीं है, जिनमें 72.3 प्रतिशत पुरूष तथा 27.6 प्रतिशत महिला संविदा शिक्षक है। जो यह दिखाता है कि पुरूष शिक्षक, महिला शिक्षकों की तुलना में अपने पद से अधिक असंतुष्ट हैं। इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार केवल 13.33 प्रतिशत शिक्षक – शिक्षिकाएं ही अपने पद से संतुष्ट हैं।

20 प्रतिशत संविदा शिक्षक अपने कार्य से संतुष्ट नहीं हैं, जिनमें 73.3 प्रतिशत पुरूष एवं 26.6 प्रतिशत महिला संविदा शिक्षक हैं। इससे स्पष्ट है कि पुरूष शिक्षक, महिला शिक्षकों की तुलना में अपने कार्य से अधिक असंतुष्ट है। इसके अतिरिक्त 80 प्रतिशत शिक्षक – शिक्षिकाएं अपने कार्य से संतुष्ट हैं, जो देश के उज्जवल भविष्य का संकेत देते हैं।

कोई भी संविदा शिक्षक अपने वेतनमान से संतुष्ट नहीं है, जिसमें 68 प्रतिशत पुरूष तथा 32 प्रतिशत महिला संविदा शिक्षक हैं।

70.6 प्रतिशत संविदा शिक्षक विद्यालय प्रशासन से संतुष्ट नही हैं, जिनमें 67.9 प्रतिशत पुरूष एवं 32.1 प्रतिशत महिला संविदा शिक्षक हैं, जिससे हम यह कह सकते हैं कि पुरूष शिक्षक महिला शिक्षकों की तुलना में अधिक असंतुष्ट हैं इसके अतिरिक्त केवल 29.3 प्रतिशत शिक्षक – शिक्षिकाऐं ही अपनी पाठशाला व्यवस्था से संतुष्ट हैं।

65.33 प्रतिशत संविदा शिक्षक अपने विभागीय नियमों से असंतुष्ट हैं जिनमें 63.3 प्रतिशत पुरूष एवं 36.7 प्रतिशत महिला संविदा शिक्षक शामिल हैं। जिससे हम कह सकते हैं कि पुरूष शिक्षक महिला शिक्षकों की तुलना में अधिक असंतुष्ट हैं इसके अतिरिक्त केवल 34.6 प्रतिशत शिक्षक शिक्षिकाएं ही अपने विभागीय नियमों से संतुष्ट हैं।

76.67 प्रतिशत संविदा शिक्षक नियमित शिक्षकों के व्यवहार से संतुष्ट नहीं है जिसमें से 67.9 प्रतिशत पुरूष एवं 32.1 प्रतिशत महिला संविदा शिक्षक हैं। इससे स्पष्ट है कि पुरूष शिक्षक, महिला शिक्षकों की तुलना में अपने नियमित शिक्षकों के व्यवहार से असंतुष्ट हैं। इसके अतिरिक्त 29.33 प्रतिशत शिक्षक – शिक्षिकाएं अपने नियमित शिक्षकों के व्यवहार से संतुष्ट हैं।

60 प्रतिशत संविदा शिक्षक अपनी सामाजिक प्रतिष्टा से असंतुष्ट है जिसमें से 71.1 प्रतिशत पुरूष, 28.9 प्रतिशत महिला संविदा शिक्षक हैं इससे स्पष्ट है कि पुरूष शिक्षक, महिला शिक्षकों की तुलना में अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा से ज्यादा असंतुष्ट है जबकि 40 प्रतिशत शिक्षक अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा से संतुष्ट हैं।

उपरोक्त सभी कारकों में लिंग के आधार पर पुरूष की तुलना में महिलाएं शिक्षक अधिक संतुष्ट पायी जाती है, जिसका कारण महिलाओं की संभवतः उच्च समायोजनशीलता एवं सहयोगशीलता हो सकता है, जो

उन्हे कक्षा में बच्चों के साथ तथा कक्षा के बाहर अपने सहयोगियों के साथ घुलमिल जाती हैं। शिक्षक – शिक्षिकाओं के अलग – अलग कारकों में असंतुष्टता के कई कारण हो सकतें हैं, जिनमें वेतन, कार्य की स्थिति एवं शर्तें, सामाजिक स्तर, शिक्षा नीति आदि प्रमुख हैं।

सार्थकता की जाँच :-

संविदा शिक्षकों में लिंग के आधार पर वर्तमान पद के अलावा बाकि किसी व्यावसाय संबंधी कारकों में सार्थक अंतर नहीं है। संविदा शिक्षकों में लिंग के आधार पर वर्तमान पद में संतुष्टी में सार्थक अन्तर है।

परिकल्पना 2 :-

दूसरी परिकल्पना यह है कि संविदा शिक्षकों में वर्ग के आधार पर व्यवसाय संबंधी कारकों में सार्थक अन्तर नही है इस परिकल्पना के परीक्षण हेतु व्यवसाय संबंधी कारकों को सात भागों में वांटा गया है। और प्राप्त परिणामों को सारणी 4.2 में प्रदर्शित किया गया है।

4.3 संविदा शिक्षक वर्ग के आधार पर व्यवसाय संबंधी कारकों में संतुष्टि का विश्लेषण :–

सारणी 4.2 : संविदा शिक्षक वर्ग के आधार पर व्यवसाय संबंधी कारकों में संतुष्टि सारणी

व्यवसाय कारक	वर्ग	संतुष्ट			असंतुष्ट			χ^2	df	Sig (0.01)
		f	% within group	% within factor	f	% within group	% within factor			
वर्तमान पद	वर्ग 3	20	33.3	50	40	66.6	36.4			
	वर्ग 2	18	30	45	42	70	38.2	6.84	2	9.21*
	वर्ग 1	2	6.6	5	28	93.3	25.5			
	योग	40	26.6%	-	110	73.3%	-	-	-	-
पद से संबंधित कार्य	वर्ग 3	42	70	46.7	18	30	30	-	-	-
	वर्ग 2	38	63.3	42.2	22	36.7	36.7	11.54	2	9.21
	वर्ग 1	10	33.3	11.1	20	66.7	33.3	-	-	-
	योग	90	60%	-	60	40%	-	-	-	-
निर्धारित वेतन	वर्ग 3	-	-	-	60	100	40	-	-	-
	वर्ग 2	-	-	-	60	100	40	-	-	-
	वर्ग 1	-	-	-	30	100	20	-	-	-
	योग	-	-	-	150	100%	-	-	-	-
विद्यालय प्रशासन	वर्ग 3	26	43.3	50.9	34	56.7	34.3	-	-	-
	वर्ग 2	20	33.3	39.2	40	60.7	40.4	6.35	2	9.21
	वर्ग 1	05	16.7	9.8	25	83.3	25.2	-	-	-
	योग	51	34%	-	105	70%	-	-	-	-
शिक्षा विभाग के नियम	वर्ग 3	22	36.7	48.9	38	63.3	36.2	-	-	-
	वर्ग 2	18	30	40	42	70	40	3.81	2	9.21
	वर्ग 1	05	16.7	11.1	25	83.3	23.8	-	-	-
	योग	**45**	**30%**	-	**105**	**70%**	-	-	-	-

व्यवसाय कारक	वर्ग	संतुष्ट			असंतुष्ट			χ^2	df	Sig (0.01)
		f	% within group	% within factor	f	% within group	% within factor			
नियमित शिक्षकों का व्यवहार	वर्ग 3	22	36.7	47.8	38	63.3	36.5			
	वर्ग 2	18	30	39.1	42	70	40.4	2.62	2	9.21
	वर्ग 1	06	20	13.0	24	80	23.1	-	-	-
	योग	46	30.66%	-	104	69.3%	-	-	-	-
सामाजिक प्रतिष्ठा	वर्ग 3	44	73.3	45.4	16	26.7	30.2	-	-	-
	वर्ग 2	36	60	37.1	24	40	45.3	3.36	2	9.21
	वर्ग 1	17	56.7	17.5	13	43.3	24.5	-	-	-
	योग	**97**	**64.66%**		**53**	**35.33%**	-	-	-	-

LIBRARY
Bhopal

N = 150

* χ^2 table Value in 0.01 level

उपरोक्त सारणी 4.2 से स्पष्ट है कि सभी वर्गो (वर्ग–3, वर्ग–2, वर्ग–1) के 73.3 प्रतिशत संविदा शिक्षक अपने पद से संतुष्ट नही है जिनमे 36.4 प्रतिशत वर्ग–3, 38.2 प्रतिशत वर्ग –2 एवं 25.5 प्रतिशत वर्ग –1 के संविदा शिक्षक है। जिससे यह स्पष्ट होता है कि वर्ग –2 के संविदा शिक्षक सबसे कम संतुष्ट है इसके अतिरिक्त 26.6 प्रतिशत संविदा शिक्षक ही अपने वर्तमान पद से संतुष्ट है जिनमें वर्ग – 3 के संविदा शिक्षक सर्वाधिक संतुष्ट हैं।

40 प्रतिशत संविदा शिक्षक अपने संबंधित कार्य से असंतुष्ट हैं जिसमें 30 प्रतिशत वर्ग – 3, 36.7 प्रतिशत वर्ग – 2 और 33.3 प्रतिशत वर्ग –1 के संविदा शिक्षक है जिससे यह स्पष्ट होता हैं कि वर्ग

– 2 संविदा शिक्षक अपने पद से संबंधित कार्य से सबसे कम संतुष्ट है। इसके अतिरिक्त 60 प्रतिशत संविदा शिक्षक अपने पद कार्य से संतुष्ट हैं। जिनमें वर्ग – 3 के संविदा शिक्षक सर्वाधिक संतुष्ट है।

निर्धारित वेतन से कोई भी संतुष्ट नहीं हैं जिसमें से 40 प्रतिशत वर्ग – 3, 40 प्रतिशत वर्ग – 2, और 20 प्रतिशत वर्ग – 1के संविदा शिक्षक हैं।

66 प्रतिशत संविदा शिक्षक अपने विद्यालय प्रशासन से संतुष्ट नहीं है जिसमें 34.3 प्रतिशत वर्ग – 3, 40.4 प्रतिशत वर्ग – 2 और 25.2 प्रतिशत वर्ग – 1 के शिक्षक है। जिससे यह स्पष्ट होता है कि वर्ग – 2 के संविदा शिक्षक सबसे ज्यादा असंतुष्ट हैं। इसके अतिरिक्त 34 प्रतिशत संविदा शिक्षक विद्यालय प्रशासन से संतुष्ट हैं। जिसमें वर्ग – 3 के संविदा शिक्षक सर्वाधिक संतुष्ट हैं।

70 प्रतिशत संविदा शिक्षक शिक्षा विभाग के नियमों से संतुष्ट नही है जिसमें 36.2 प्रतिशत वर्ग – 3, 40 प्रतिशत वर्ग – 2 और 23.8 प्रतिशत वर्ग – 1 के शिक्षक हैं। इसके अतिरिक्त 30 प्रतिशत संविदा शिक्षक ही शिक्षा विभाग के नियमों से संतुष्ट है जिसमें वर्ग – 3 के संविदा शिक्षक ज्यादा संतुष्ट है।

69.33 प्रतिशत संविदा शिक्षक नियमित शिक्षकों के व्यवहार से असंतुष्ट है जिसमें 36.5 प्रतिशत वर्ग – 3, 40.4 प्रतिशत वर्ग –2 और 23.1 प्रतिशत वर्ग – 1 के संविदा शिक्षक है। जिससे स्पष्ट होता है कि वर्ग – 2 के संविदा शिक्षक सबसे ज्यादा असंतुष्ट है। इसके अतिरिक्त 30.6 प्रतिशत संविदा शिक्षक नियमित शिक्षकों के व्यवहार से संतुष्ट हैं जिसमें वर्ग – 3 के शिक्षक ज्यादा संतुष्ट है।

35.33 प्रतिशत अध्यापक सामाजिक प्रतिष्ठा से असंतुष्ट हैं जिसमें 30.2 प्रतिशत वर्ग – 3, 45.3 प्रतिशत वर्ग –2 और 24.5 प्रतिशत वर्ग –1 के अध्यापक सबसे ज्यादा असंतुष्ट है। इसके अतिरिक्त 64.66

प्रतिशत संविदा शिक्षक अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा से संतुष्ट हैं जिसमें वर्ग – 3 के शिक्षक ज्यादा संतुष्ट है।

उपरोक्त विवरण से स्पष्ट है कि वर्ग – 2 के संविदा शिक्षक, वर्ग – 3 एवं वर्ग –2 के अपेक्षा ज्यादा असंतुष्ट है। इसका कारण कम वेतन एवं कार्यभार हो सकता है।

सार्थकता की जाँच :–

संविदा शिक्षकों में वर्ग के आधार पर पद से संबंधित कार्य के अलावा अन्य सभी व्यावसाय संबंधी कारकों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है। संविदा शिक्षकों में वर्ग के आधार पर पद से संबंधित कार्य में सार्थक अन्तर है।

परिकल्पना 3 –

संविदा शिक्षकों में स्थान के आधार पर व्यावसायिक संतुष्टि में सार्थक अन्तर नहीं है। इस परिकल्पना का परीक्षण करने के लिये व्यवसाय संबंधी कारकों को सात भागों में बांटा गया है प्राप्त परिणामों को सारणी 4.4 में प्रदर्शित किया गया है।

4.4 स्थान के आधार पर व्यवसाय संबंधी कारकों में संतुष्टि का विश्लेषण

सारणी 4.3 स्थान के आधार पर व्यवसाय संबंधी कारकों में संतुष्टि सारणी

व्यवसाय संबंधी कारक	स्थानीय	संतुष्ट			असंतुष्ट			χ^2	df	Sig (0.01)
		f	% within group	% within factor	f	% within group	% within factor			
वर्तमान पद	शहरी	5	10.9	25	41	89.1	31.5	-	-	-
	ग्रामीण	15	14.4	75	89	85.6	68.5	0.34	1	6.64*
	योग	20	13.33%	-	130	86.7%	-	-	-	-
पद से संबंधित कार्य	शहरी	35	76.1	30.2	11	23.9	32.4	-	-	-
	ग्रामीण	81	77.9	69.8	23	22.1	67.6	0.06	1	6.64
	योग	116	77.3%	-	34	22.7%	-	-	-	-
निर्धारित वेतन	शहरी	-	-	-	46	100	30.7	-	-	-
	ग्रामीण	-	-	-	104	100	69.3	-	1	6.64
	योग	-	-	-	150	100%	-	-	-	-
विद्यालय प्रशासन	शहरी	21	45.7	56.8	25	54.3	22.1	-	-	-
	ग्रामीण	16	15.4	43.2	88	84.6	77.9	15.7	1	6.64
	योग	37	24.7%	-	113	75.3%	-	-	-	-
शिक्षा विभाग के नियम	शहरी	15	32.6	36.6	31	67.4	28.4	-	-	-
	ग्रामीण	26	25	63.4	78	75	71.6	0.94	1	6.64
	योग	41	27.3%	-	109	72.7%	-	-	-	-
नियमित शिक्षकों का व्यवहार	शहरी	13	28.3	31.7	33	71.7	30.3	-	-	-
	ग्रामीण	28	26.9	68.3	76	73.0	69.7	0.94	1	6.64
	योग	41	27.3%	-	109	72.7%	-	-	-	-
सामाजिक प्रतिष्ठा	शहरी	18	39.1	41.9	28	60.9	26.1	-	-	-
	ग्रामीण	25	24.0	58.1	79	75.96	73.8	3.53	1	6.64
	योग	**43**	**28.7%**	-	**107**	**71.3%**	-	-	-	-

* χ^2 table Value in 0.01 level

उपरोक्त सारणी 4.3 में स्पष्ट है कि 86.7 प्रतिशत संविदा शिक्षक अपने पद से संतुष्ट नहीं है, जिनमें 31.5 प्रतिशत पुरूष तथा 68.5 प्रतिशत महिला संविदा शिक्षक है जिससे यह स्पष्ट होता है ग्रामीण संविदा शिक्षक, शहरी संविदा शिक्षक की तुलना में अपने व्यवसाय के पद से अधिक अंसतुष्ट है। इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार ग्रामीण एवं शहरी विद्यालय के केवल 13.3 प्रतिशत शिक्षक – शिक्षिकाऐं ही अपने पद से संतुष्ट हैं।

22.7 प्रतिशत संविदा शिक्षक अपने पद संबंधित कार्य से संतुष्ट नही है, जिनमें 32.4 प्रतिशत शहरी, एवं 67.6 प्रतिशत ग्रामीण शिक्षक सम्मिलित हैं जिससे यह स्पष्ट होता है ग्रामीण शिक्षक, शहरी शिक्षकों की तुलना में अपने पद से संबंधित कार्य से अधिक असंतुष्ट है। इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार ग्रामीण एवं शहरी विद्यालय के केवल 77.3 प्रतिशत शिक्षक – शिक्षिकाएं ही अपने पद से संबंधित कार्य से संतुष्ट हैं।

कोई भी संविदा शिक्षक अपने वेतनमान से संतुष्ट नहीं है, जिसमें 30.7 प्रतिशत शहरी क्षेत्र के एवं 69.3 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र के संविदा शिक्षक है।

75.3 प्रतिशत संविदा शिक्षक अपने विद्यालय प्रशासन से संतुष्ट नही हैं। जिसमें 22.1 प्रतिशत शहरी, और 77.9 प्रतिशत ग्रामीण संविदा शिक्षक हैं। जिससे यह स्पष्ट होता है कि ग्रामीण संविदा शिक्षक शहरी संविदा शिक्षक की तुलना में विद्यालय प्रशासन से ज्यादा असंतुष्ट है इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार 24.7 प्रतिशत शिक्षक – शिक्षिकाएं ही विद्यालय प्रशासन से संतुष्ट है।

72.7 प्रतिशत संविदा शिक्षक अपने शिक्षा विभाग के नियम से संतुष्ट नही है जिसमें 28.4 प्रतिशत शहरी, और 71.6 प्रतिशत ग्रामीण संविदा शिक्षक है। जिससे यह स्पष्ट होता है कि ग्रामीण संविदा शिक्षक, शहरी संविदा शिक्षक की तुलना में शिक्षा विभाग के नियम ज्यादा असंतुष्ट है इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार 27 प्रतिशत शिक्षक – शिक्षिकाएं शिक्षा विभाग के नियमों से संतुष्ट है।

72.7 प्रतिशत संविदा शिक्षक नियमित शिक्षकों के व्यवहार से संतुष्ट नहीं हैं जिसमें 30.3 प्रतिशत शहरी एवं 69.7 प्रतिशत ग्रामीण संविदा शिक्षक है जिससे यह स्पष्ट होता है कि ग्रामीण संविदा शिक्षक, शहरी संविदा शिक्षक की तुलना में ज्यादा असतुंष्ट है इसके अतिरिक्त केवल 27.3 प्रतिशत संविदा शिक्षक ही अपने नियमित शिक्षकों के व्यवहार से संतुष्ट है।

71.3 प्रतिशत संविदा शिक्षक सामाजिक प्रतिष्ठा से असंतुष्ट है जिसमें 26.1 प्रतिशत शहरी एवं 73.8 प्रतिशत ग्रामीण संविदा शिक्षक है इससे स्पष्ट होता है कि ग्रामीण संविदा शिक्षक शहरी संविदा शिक्षक की तुलना में ज्यादा असंतुष्ट हैं। इसके अतिरिक्त केवल 28.7 प्रतिशत संविदा शिक्षक हैं अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा से संतुष्ट हैं।

उपरोक्त कारकों में स्थान के आधार पर शहरी क्षेत्र की तुलना में ग्रामीण क्षेत्र के संविदा शिक्षक में कम संतुष्टि पायी गयी, जिसका कारण क्षेत्र में स्थिति यातायात के साधनों की समस्या, सुविधाओं की समस्या हो सकती है वेतनमान के मामले में दोनो क्षेत्रों के संविदा शिक्षक में असंतुष्टि पायी जाती है।

सार्थकता की जाँच –

संविदा शिक्षकों में स्थान (शहरी तथा ग्रामीण) के आधार पर विद्यालय प्रशासन के अलावा बाकि किसी व्यावसायिक कारकों में सार्थक अन्तर नहीं है संविदा शिक्षकों में स्थान के आधार पर विद्यालय प्रशासन में सार्थक अन्तर हैं।

परिकल्पना 4 :–

संविदा शिक्षकों में वैवाहिक स्थिति के आधार पर व्यावसायिक संतुष्टि में सार्थक अन्तर नहीं है। इस परिकल्पना का परीक्षण करने के लिए व्यवसाय

संबंधी कारकों को सात भागों में बांटा गया है। प्राप्त परिणामों को सारणी 4.5 में प्रदर्शित किया गया है।

4.5 वैवाहिक स्थिति के आधार पर व्यवसाय संबंधी कारकों में संतुष्टि का विश्लेषण :-

सारणी 4.4 – वैवाहिक योग्यता के आधार पर व्यवसाय संबंधी कारकों में संतुष्टि सारणी

N = 150

व्यवसाय संबंधी कारक	वैवाहिक स्थिति	संतुष्ट			असंतुष्ट			χ^2	df	Sig (0.01)
		f	% within group	% within factor	f	% within group	% within factor			
वर्तमान पद	विवाहित	14	15.6	70	76	84.4	58.5	–	-	–
	अविवाहित	6	10	30	54	90	41.53	0.96	1	6.64*
	योग	20	13.3%	-	130	86.7%	–	-	–	-
पद से संबंधित कार्य	विवाहित	65	72.2	60.2	25	27.8	59.5	–	-	–
	अविवाहित	43	71.7	39.8	17	28.3	40.5	0.05	1	6.64
	योग	108	72%	–	-	28%	–	-	–	-
निर्धारित वेतन	विवाहित	–	-	-	90	100	60	–	-	–
	अविवाहित	–	-	–	60	100	40	–	-	–
	योग	–	-	–	150	100%	–	-	-	–
विद्यालय प्रशासन	विवाहित	30	33.3	54.5	60	66.7	63.2	–	-	–
	अविवाहित	25	41.7	45.5	35	58.3	36.8	1.08	1	6.64
	योग	55	36.7%	–	-	63.3%	–	-	–	-
शिक्षा विभाग के नियम	विवाहित	22	4	55	68	75.6	61.8	–	-	–
	अविवाहित	18	30	45	42	70	38.2	0.57	I	6.64
	योग	40	26.7%	–	-	73.3%	–	-	–	-
नियमित शिक्षकों का व्यवहार	विवाहित	52	57.8	65.8	38	42.2	53.5	–	-	–
	अविवाहित	27	45	34.2	33	55	46.5	2.36	1	6.64
	योग	79	52.7%		71	47.3%	–	-	–	-
सामाजिक प्रतिष्ठा	विवाहित	50	55.6	64.1	40	44.4	55.6			
	अविवाहित	28	46.7	35.8	32	53.33	44.4	9.48	1	6.64
	योग	78	**52%**		**72**	**48%**	–	-	–	-

* χ^2 table Value in 0.01 level

उपरोक्त सारणी 4.4 से स्पष्ट है कि वैवाहिक स्थिति (विवाहित एवं अविवाहित) के संदर्भ में 86.7 प्रतिशत संविदा शिक्षक अपने वर्तमान पद से असतुंष्ट है जिसमें 58.5 प्रतिशत विवाहित एवं 41.53 प्रतिशत अविवाहित संविदा शिक्षक है जिससे यह स्पष्ट होता है कि अविवाहित की तुलना में विवाहित शिक्षक ज्यादा असंतुष्ट है। इसके अतिरिक्त 13.3 प्रतिशत संविदा शिक्षक ही अपने वर्तमान पद से संतुष्ट हैं।

28 प्रतिशत संविदा शिक्षक पद से संबंध्ति कार्य से असंतुष्ट है जिसमं 59.5 प्रतिशत विवाहित संविदा शिक्षकएवं 40.5 प्रतिशत अविवाहित संविदा शिक्षक हैं जिससे स्पष्ट होता है कि विवाहित संविदा शिक्षक, अविवाहित संविदा शिक्षक की तुलना में ज्यादा असंतुष्ट है इसके अतिरिक्त 72 प्रतिशत संविदा शिक्षक संबंधित कार्य से संतुष्ट हैं।

सभी संविदा शिक्षक अपने निर्धारित वेतनमान से असंतुष्ट है।

62.3 प्रतिशत संविदा शिक्षक विद्यालय प्रशासन से असंतुष्ट हैं जिसमें 62.2 प्रतिशत विवाहित एवं 36.8 प्रतिशत अविवाहित संविदा शिक्षक है। जिससे स्पष्ट होता है कि विवाहित संविदा शिक्षक, अविवाहित की तुलना में ज्यादा असंतुष्ट है इसके अतिरिक्त 36.7 प्रतिशत संविदा शिक्षक है विद्यालय प्रशासन से सतुंष्ट है।

73.3 प्रतिशत संविदा शिक्षक शिक्षा विभाग के नियमों से असंतुष्ट हैं। जिसमें 61.8 प्रतिशत विवाहित संविदा शिक्षक, एवं 38.2 प्रतिशत अविवाहित हैं इससे यह स्पष्ट होता है कि विवाहित संविदा शिक्षक, अविवाहित की तुलना में ज्यादा असंतुष्ट हैं इसके अतिरिक्त 26.7 प्रतिशत संविदा शिक्षक ही शिक्षा विभाग के नियमों से संतुष्ट है।

47.3 प्रतिशत संविदा शिक्षक नियमित शिक्षकों के व्यवहार से असंतुष्ट हैं जिसमें 53.5 प्रतिशत विवाहित एवं 46.5 प्रतिशत अविवाहित

हैं। इससे स्पष्ट होत है कि विवाहित अविवाहित की तुलना में ज्यादा असंतुष्ट है इसके अतिरिक्त 52.7 प्रतिशत संविदा शिक्षक नियमित शिक्षकों के व्यवहार से संतुष्ट हैं।

48 प्रतिशत संविदा शिक्षक सामाजिक प्रतिष्ठा से असंतुष्ट है जिसमें 55.6 प्रतिशत विवाहित संविदा शिक्षकएवं 44.4 अविवाहित संविदा शिक्षक हैं जिससे स्पष्ट होता है कि विवाहित, अविवाहित की तुलना में ज्यादा असंतुष्ट है इसके अतिरिक्त 52 प्रतिशत संविदा शिक्षक ही सामाजिक प्रतिष्ठा से सतुंष्ट हैं।

उपरोक्त कारकों में वैवाहिक स्थिति के आधार पर स्पष्ट होता है कि अविवाहित संविदा शिक्षक की तुलना में विवाहित संविदा शिक्षक ज्यादा असंतुष्ट हैं। जिसका कारण पारिवारिक जिम्मेंदरियां हो सकती है वेतनमान के मामले में दोनों संविदा शिक्षक में असंतुष्टि पायी जाती है।

परिकल्पना की सार्थकता –

संविदा शिक्षकों में वैवाहिक स्थिति के आधार पर सामाजिक प्रतिष्ठा के अलावा बाकि किसी व्यावसाय संबंधी कारकों में सार्थक अन्तर नही है संविदा शिक्षकों में वैवाहिक स्थिति के आधार पर सामाजिक प्रतिष्टा में सार्थक अन्तर है।

परिकल्पना 5:

संविद शिक्षकों में शैक्षिक योग्यता के आधार पर व्यवसाय संबंधी कारकों में सार्थक अन्तर नही है। इस परिकल्पना के परीक्षण के लिये व्यवसाय संबंधी कारकों को सात भागों में बांटा गया है। प्राप्त परिणामों को सारणी 4.5 में प्रदर्शित किया गया है –

4.6 शैक्षणिक योग्यता के आधार पर व्यावसाय संबंधी कारकों में संतुष्टि का विश्लेषणः–

सारणी 4.5 – शैक्षिक योग्यता के आधार पर व्यवसाय संबंधी कारकों में संतुष्टि सारणी –

व्यवसाय संबंधी कारक	शैक्षणिक योग्यता	संतुष्ट			असंतुष्ट			χ^2	df	Sig (0.01)
		f	% within group	% within factor	f	% within group	% within factor			
वर्तमान पद	12 वीं	2	16.7	10	10	83.3	7.7	-	-	-
	स्नातक	12	19.4	60	50	80.6	38.5	4.9	2	9.21*
	स्नातकोत्तर	6	7.9	30	70	92.1	53.8	-	-	-
	योग	20	13.3%	-	130	86.7%	-	-	-	-
पद से संबंधित कार्य	12 वीं	10	83.3	7.9	2.	16.7	8.7	-	-	-
	स्नातक	55	88.7	43.3	7	11.3	30.4	1.39	2	9.21
	स्नातकोत्तर	62	81.6	48.8	14	18.4	60.9	-	-	-
	योग	127	84.7%	-	23	15.3%	-	-	-	-
निर्धारित वेतन	12 वीं	-	-	-	12	100	8	-	-	-
	स्नातक	-	-	-	62	100	41.3	-	-	-
	स्नातकोत्तर	-	-	-	76	100	50.6	-	-	-
	योग	-	-	-	150	100	-	-	-	-
विद्यालय प्रशासन	12 वीं	7	58.3	11.9	5	41.7	5.5	-	-	-
	स्नातक	31	50	52.5	31	50	34.1	9.1	2	9.21
	स्नातकोत्तर	21	27.6	35.6	55	72.4	60.4	-	-	-
	योग	59	39.3%	-	91	60.7%	-	-	-	-
शिक्षा विभाग के नियम	12 वीं	2	16.7	4.2	10	83.3	9.8	-	-	-
	स्नातक	19	30.6	39.6	43	69.4	42.15	1.79	2	9.21
	स्नातकोत्तर	27	35.5	56.3	49	64.5	48.0	-	-	-
	योग	48	32%	-	102	68%	-	-	-	-

व्यवसाय संबंधी कारक	शैक्षणिक योग्यता	संतुष्ट			असंतुष्ट			χ^2	df	Sig (0.01)
		f	% within group	% within factor	f	% within group	% within factor			
नियमित शिक्षकों का व्यवहार	12 वीं	6	33.3	7.8	8	66.7	8.2			
	स्नातक	20	32.3	39.2	40	64.5	41.2	0.75	2	9.21
	स्नातकोत्तर	27	35.5	52.9	49	64.5	50.5	-	-	-
	योग	53	35.5%	-	97	64.7%	-	-	-	-
सामाजिक प्रतिष्ठा	12 वीं	7	58.3	12.1	5	41.7	5.4	-	-	--
	स्नातक	20	32.3	34.5	42	67.7	45.7	2.76	2	9.21
	स्नातकोत्तर	31	40.8	53.4	45	59.2	48.9	-	-	-
	योग	58	**38.7%**	-	**92**	**61.3%**	-	-	-	-

N = 150

* χ^2 table Value in 0.01 level

उपरोक्त सारणी 4.5 से स्पष्ट है कि शैक्षिक योग्यता (एच.एस.सी, स्नातक, स्नातकोत्तर) के आधार पर –

86.7 प्रतिशत संविदा शिक्षक अपने पद से संतुष्ट नही है। जिसमें 7.7 प्रतिशत एच.एस.सी. पास, 38.5 प्रतिशत शिक्षक स्नातक और 53.8 प्रतिशत शिक्षक अनुस्नातक (स्नातकोत्तर) है जो यह दिखाता है कि स्नातकोत्तर शिक्षक, स्नातक शिक्षकों की तुलना में और स्नातक शिक्षक 12वीं पास शिक्षक की तुलना में अपने पद से अधिक असंतुष्ट है इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार एच.एस.सी, स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्रीधारी 13.3 प्रतिशत शिक्षक – शिक्षिकाएं ही अपने पद से संतुष्ट है।

15.3 प्रतिशत संविदा शिक्षक अपने पद से संबंधित कार्य से संतुष्ट नही हैं जिसमें 8.7 प्रतिशत एच.एस.सी.पास, 30.4 प्रतिशत शिक्षक स्नातक और 60.9 प्रतिशत शिक्षक सनातकोत्तर है जो यह दिखाता है कि स्नातकोत्तर शिक्षक स्नातक शिक्षकों की तुलना में और स्नातक शिक्षक 12 वीं पास शिक्षक की तुलना में अपने पद के कार्य से अधिक असंतुष्ट हैं। इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार एच.एस.सी, स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्रीधारी 84.7 प्रतिशत शिक्षक – शिक्षिकाएं ही अपने पद से संतुष्ट हैं।

सभी संविदा शिक्षक अपने निर्धारित वेतनमान से असंतुष्ट हैं।

60.7 प्रतिशत संविदा शिक्षक अपने विद्यालय प्रशासन से संतुष्ट नहीं है जिसमें 5.5 प्रतिशत एच.एस.सी. पास, 34.1 प्रतिशत शिक्षक स्नातक और 60.4 प्रतिशत शिक्षक स्नातकोत्तर हैं जो यह दिखाता है कि स्नातकोत्तर शिक्षक, स्नातक शिक्षकों की तुलना में अपने विद्यालय प्रशासन से अधिक असंतुष्ट हैं। इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार एच.एस.सी., स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्रीधारी 39.3 प्रतिशत शिक्षक – शिक्षिकाएं ही विद्यालय प्रशासन से संतुष्ट हैं।

68 प्रतिशत संविदा शिक्षक शिक्षा विभाग के नियमों से असंतुष्ट है जिसमें 9.8 प्रतिशत एच.एस.सी. पास, 42.15 शिक्षक स्नातक पास और 48 प्रतिशत शिक्षक स्नात्तकोत्तर हैं जो यह दिखाता है कि स्नातकोत्तर शिक्षक, स्नातक शिक्षकों की तुलना में एवं स्नातक शिक्षक 12 वीं की तुलना में अधिक असंतुष्ट हैं। इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार एच.एस.सी., स्नातक एवं स्नातकोत्तर डिग्रीधारी 32 प्रतिशत शिक्षक – शिक्षिकाएं शिक्षा विभाग के नियमों से संतुष्ट हैं।

64.7 प्रतिशत संविदा शिक्षक नियमित शिक्षकों के साथ व्यवहार से असंतुष्ट हैं जिसमें 8.2 प्रतिशत एच.एस.सी. पास, 41.2 प्रतिशत शिक्षक स्नातक एवं 50.5 प्रतिशत शिक्षक स्नातकोत्तर है जो यह दिखाता है कि स्नातकोत्तर शिक्षक, स्नातक शिक्षकों की तुलना में एवं स्नातक शिक्षक 12 वीं की तुलना में अधिक असंतुष्ट हैं। इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार एच.एस.सी., स्नातक एवं स्नातकोत्तर डिग्रीधारी 35.3 प्रतिशत शिक्षक – शिक्षिकायें ही नियमित शिक्षकों के व्यवहार से संतुष्ट हैं।

61.3 प्रतिशत संविदा शिक्षक सामाजिक प्रतिष्ठा से असंतुष्ट हैं। जिसमें 5.4 प्रतिशत एच.एस.सी पास , 45.7 प्रतिशत शिक्षक स्नातक एवं 48.9 प्रतिशत अध्यापक स्नातकोत्तर हैं जो यह दिखाता है कि स्नातकोत्तर शिक्षक, स्नातक शिक्षकों की तुलना में एवं स्नातक शिक्षण, 12वीं की तुलना में अधिक असंतुष्ट हैं इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी के अनुसार एच.एस.सी. स्नातक एवं स्नातकोत्तर डिग्रीधारी 38.7 प्रतिशत शिक्षक – शिक्षिकायें ही अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा से संतुष्ट हैं।

उपरोक्त विवरण से स्पष्ट है कि स्नातकोत्तर, स्नातक की तुलना में और स्नातक, 12 वीं की तुलना में अधिक असंतुष्ट है जो यह दर्शाता है कि शैक्षिक योग्यता बढ़ने के साथ असंतुष्टता बढ़ रही है।

परिकल्पना की सार्थकता :-

संविदा शिक्षकों में शैक्षिक योग्यता के आधार पर व्यावसाय संबंधी कारकों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

परिकल्पना 6 :-

संविदा शिक्षकों में व्यावसायिक योग्यता के आधार पर व्यवसाय संबंधी कारकों में सार्थक अन्तर नही हैं। इस परिकल्पना के परीक्षण के लिये व्यवसाय संबंधी कारकों को सात भागों में बांटा गया है और प्राप्त परिणामों को सारणी 4.6 में प्रदर्शित किया गया।

4.7 व्यावसायिक योग्यता के आधार पर व्यावसाय संबंधी कारकों में संतुष्टि का विश्लेषण

सारणी 4.6 व्यावसायिक योग्यता के आधार पर व्यावसाय संबंधी कारकों में संतुष्टि सारणी

व्यवसाय संबंधी कारक	व्यावसायिक योग्यता	संतुष्ट			असंतुष्ट			χ^2	df	Sig (0.01)
		f	% within group	% within factor	f	% within group	% within factor			
वर्तमान पद	डी. एड	3	15.8	18.8	16	84.2	11.9	-	-	-
	बी. एड	3	3.9	18.8	7.3	96.1	54.5	-	-	-
	एम. एड	-	-	-	3	100	2.2	8.98	4	13.28*
	बी.टी.सी.	2	14.3	12.5	12	85.7	8.9	-	-	-
	अप्रशिक्षित	8	21.1	50	30	78.9	22.4	-	-	-
	योग	16	10.7%	-	134	89.3%	-	-	-	-
पद से संबंधित कार्य	डी. एड	19	100	16.52	-	-	-	-	-	-
	बी. एड	57	75	49.6	19	25	54.3	-	-	-
	एम. एड	3	100	2.6	-	-	-	8.47	4	13.28
	बी.टी.सी.	10	71.4	8.7	4	28.6	11.4	-	-	-
	अप्रशिक्षित	26	68.4	22.6	12	17.6	34.3	-	-	-
	योग	115	76.77%	-	35	23.3%	-	-	-	-
निर्धारित वेतन	डी. एड	-	-	-	19	100	12.7	-	-	-
	बी. एड	-	-	-	76	100	50.7	-	-	-
	एम. एड	-	-	-	3	100	2	-	-	-
	बी.टी.सी.	-	-	-	14	100	9.3	-	-	-
	अप्रशिक्षित	-	-	-	38	100	25.3	-	-	-
	योग	-	-	-	150	100%	-	-	-	-

व्यवसाय संबंधी कारक	व्यावसायिक योग्यता	संतुष्ट			असंतुष्ट			χ^2	df	Sig (0.01)
		f	% within group	% within factor	f	% within group	% within factor			
विद्यालय प्रशासन	डी. एड	7	36.8	11.3	12	63.2	13.6	-	-	-
	बी. एड	33	43.4	53.2	43	56.6	48.9	-	-	-
	एम. एड	2	66.7	3.2	1	33.3	1.2	1.32	4	13.28*
	बी.टी.सी.	5	35.7	8.1	9	64.3	10.2	-	-	-
	अप्रशिक्षित	15	39.5	24.2	23	60.5	26.2	-	-	-
	योग	62	41.3%	-	88	58.7%	-	-	-	-
शिक्षा विभाग के नियम	डी. एड	7	15.8	7.7	16	84.2	14.4	-	-	-
	बी. एड	22	28.9	56.4	54	71.1	48.6	-	-	-
	एम. एड	-	-	-	3	100	2.7	8.64	4	13.28
	बी.टी.सी.	2	14.3	5.1	12	85.7	10.8	-	-	-
	अप्रशिक्षित	12	31.6	30.8	26	68.4	23.4	-	-	-
	योग	39	26%	-	111	74%	-	-	-	-
नियमित शिक्षकों का व्यवहार	डी. एड	3	15.8	7.9	16	84.2	14.3	-	-	-
	बी. एड	22	28.9	57.9	54	71.1	48.2	-	-	-
	एम. एड	2	66.7	5.3	1	33.3	0.9	5.32	4	13.28
	बी.टी.सी.	2	14.3	5.3	12	85.7	10.7	-	-	-
	अप्रशिक्षित	11	28.9	28.9	27	71.1	24.1	-	-	-
	योग	38	25.3%	-	112	74.7%	-	-	-	-

व्यवसाय संबंधी कारक	व्यावसायिक योग्यता	संतुष्ट			असंतुष्ट			χ^2	df	Sig (0.01
		f	% within group	% within factor	f	% within group	% within factor			
सामाजिक प्रतिष्ठा	डी. एड	5	26.3	8.3	14	73.7	15.6	-	-	-
	बी. एड	34	44.7	56.7	42	55.3	46.7	-	-	-
	एम. एड	-	-	-	3	100	4.36	4	1	13.28
	बी.टी.सी.	5	35.7	8.3	9	64.3	10	-	-	-
	अप्रशिक्षित	16	42.1	26.7	22	57.9	24.4	-	-	-
	योग	60	40%	-	90	60%	-	-	-	-

N = 150

* χ^2 table Value in 0.01 level

Regional Institute of Education
LIBRARY
Bhopal

उपरोक्त सारणी 4.6 से यह स्पष्ट है कि व्यावसायिक योग्यता (डी.एड, बी.एड., एम.एड., बी.टी.सी और अप्रशिक्षित) के आधार पर।

89.3 प्रतिशत संविदा शिक्षक अपने पद से संतुष्ट नहीं है, जिसमें डी.एड. शिक्षक 11.9 प्रतिशत, बी.एड. शिक्षक 54.5 प्रतिशत, एम.एड शिक्षक 2.2 प्रतिशत, बी.टी.सी. शिक्षक 8.9 एवं अप्रशिक्षित शिक्षक 22.4 प्रतिशत है जो यह दिखाता है कि बी.एड. शिक्षक सबसे ज्यादा असंतुष्ट है। इसके अतिरिक्त उपरोक्त सारणी में 10.7 प्रतिशत संविदा शिक्षक अपने पद से संतुष्ट है, जिनमें सर्वाधिक संतुष्ट अप्रशिक्षित शिक्षक हैं।

76.7 प्रतिशत संविदा शिक्षक पद से संबंधित कार्य से संतुष्ट है जिसमें डी. एड शिक्षक 16.52 प्रतिशत, बी. एड. शिक्षक 49.6, एम.एड 2.6 प्रतिशत, बी.टी.सी 8.7, और अप्रशिक्षित शिक्षक 22.6 प्रतिशत है जो यह दिखाता है कि बी. एड. शिक्षक ज्यादा संतुष्ट है। इसके अतिरिक्त केवल 23.3 प्रतिशत संविदा शिक्षक पद से संबंधित कार्य से असंतुष्ट हैं।

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट है कि सभी संविदा शिक्षक अपने वेतनमान से असंतुष्ट है।

58.7 प्रतिशत संविदा शिक्षक विद्यालय प्रशासन से असंतुष्ट है जिसमें डी.एड. शिक्षक 13.6 प्रतिशत, बी.एड. शिक्षक 48.9 प्रतिशत, एम. एड शिक्षक1.2 प्रतिशत, बी.टी.सी. शिक्षक 10.2 प्रतिशत, अप्रशिक्षित शिक्षक 26.2 प्रतिशत है। जो यह दिखाता है कि बी. एड. शिक्षक सबसे अधिक असंतुष्ट है। इसके अतिरिक्त केवल 41.3 प्रतिशत संविदा शिक्षक विद्यालय प्रशासन से संतुष्ट हैं।

74 प्रतिशत संविदा शिक्षक शिक्षा विभाग के नियमों से संतुष्ट है जिसमें डी. एड. शिक्षक 14.4 प्रतिशत, बी.एड. शिक्षक 48.6 प्रतिशत, एम.एड. शिक्षक 2.7 प्रतिशत, बी.टी.सी. शिक्षक 10.8 प्रतिशत एवं अप्रशिक्षित शिक्षक 23.4 प्रतिशत है जो यह दिखाता है कि बी.एड.

शिक्षक सबसे अधिक असंतुष्ट है इसके अतिरिक्त केवल 26 प्रतिशत संविदा शिक्षक ही शिक्षा विभाग के नियमों से संतुष्ट है।

74.7 प्रतिशत संविदा शिक्षक नियमित शिक्षकों के व्यवहार से असंतुष्ट है जिसमें डी.एड शिक्षक 14.3 प्रतिशत बी.एड. शिक्षक 48.2 प्रतिशत, एम.एड. शिक्षक 0.9 प्रतिशत, बी.टी.सी. शिक्षक 10.7 प्रतिशत एवं अप्रशिक्षित शिक्षक 24.1 प्रतिशत है जो यह दिखाता है कि बी.एड. शिक्षक सबसे अधिक असंतुष्ट है इसके अतिरिक्त केवल 25.3 प्रतिशत संविदा शिक्षक ही नियमित शिक्षकों के व्यवहार से संतुष्ट है।

60 प्रतिशत संविदा शिक्षक सामाजिक प्रतिष्ठा से असंतुष्ट है जिसमें डी.एड. 15.6 प्रतिशत, बी.एड. 46.7 प्रतिशत, एम.एड. 3.3 प्रतिशत, बी. टी.सी. 10 प्रतिशत एवं अप्रशिक्षित शिक्षक 24.4 प्रतिशत है जो यह दिखाता है कि बी.एड. शिक्षक सबसे ज्यादा असंतुष्ट है इसके अतिरिक्त केवल 40 प्रतिशत संविदा शिक्षक ही सामाजिक प्रतिष्ठा से संतुष्ट हैं।

परिकल्पना की सार्थकता की जांच –

संविदा शिक्षकों में व्यवसायिक योग्यता के आधार पर उनकी व्यावसायिक संतुष्टि में कोई सार्थक अन्तर नही है।